मेंढपाळ समाज के मुद्दों पर सरकार का ऐतिहासिक फैसला

बच्चू कडू की पहल: मेंढपाळ वनाधिकार समिति, चराई के लिए राजस्व भूमि और 15 दिनों में बीमा योजना के निर्देश

इरशाद अहमद/ प्रतिदिन अखबार

अचलपुर, 29 जुलाई- मेंढपाळ (चरवाहा) समाज के वर्षों से लंबित मुद्दों को लेकर लगातार संघर्ष करने वाले विधान परिषद सदस्य विधायक बच्चू कडू के प्रयासों को बड़ी सफलता मिली है. विधानसभा, विधान परिषद और सड़क पर हुए आंदोलनों के माध्यम से विधायक बच्चू कडू ने चराई, वनाधिकार, बीमा, राजस्व भूमि, पशुधन संरक्षण तथा मेंढपाळ समाज से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लगातार मजबूती और तथ्यों के साथ उठाया. उनके निरंतर संघर्ष के बाद राज्य सरकार ने इन मांगों पर महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं.

राज्य के राजस्व मंत्री तथा जिले के पालकमंत्री चंद्रकांत बावनकुळे की अध्यक्षता में मंत्रालय में उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई.

बैठक में राजस्व, वन, पशुसंवर्धन तथा पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ अमरावती संभाग के मेंढपाळ समाज के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया. बैठक में विधायक बच्चू कडू ने वनाधिकार समिति की तर्ज पर स्वतंत्र मेंढपाळ वनाधिकार समिति गठित कर चराई के मुद्दे का स्थायी समाधान करने की मांग रखी. सरकार ने इस मांग को स्वीकार करते हुए स्वतंत्र समिति के गठन के निर्देश जारी किए.

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि राज्य के प्रत्येक जिले में राजस्व विभाग की उपलब्ध भूमि मेंढपाळ समाज की चराई के लिए उपलब्ध कराई जाएगी. संबंधित विभागों को इस निर्णय को तत्काल प्रभाव से लागू करने के आदेश दिए गए. पशुसंवर्धन विभाग को अगले 15 दिनों के भीतर आवश्यक प्रस्ताव तैयार कर शासन के समक्ष प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए. साथ ही मेंढपाळ बस्तियों तक पहुंचकर पशुधन का टीकाकरण, स्वास्थ्य जांच और आवश्यक उपचार उपलब्ध कराने के आदेश भी जारी किए गए.

बैठक में विधायक बच्चू कडू ने कहा कि जब तक मेंढपाळ समाज को चराई का अधिकार, सामाजिक सुरक्षा और पशुधन संरक्षण की गारंटी नहीं मिलेगी, तब तक उनके जीवन स्तर में वास्तविक सुधार संभव नहीं है. उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा लिए गए इन निर्णयों से राज्य के हजारों मेंढपाळ परिवारों को राहत मिलेगी.

अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस पर मेलघाट में बाघ का हमला

धूलघाट रेलवे वनक्षेत्र की घटना:बैल और बछड़े को बनाया शिकार

संवाददाता/प्रतिदिन अखबार

धारणी, 29 जुलाई- अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस के दिन ही मेलघाट में बाघ के हमले की घटना सामने आई है. अकोट वन्यजीव विभाग के अंतर्गत आने वाले धूलघाट रेलवे वनपरिक्षेत्र में एक बाघ ने किसान के बैल और बछड़े का शिकार कर लिया. घटना के बाद पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है.

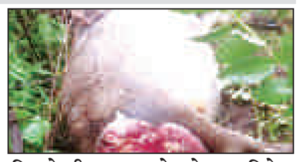

जानकारी के अनुसार, धूलघाट रेलवे वनपरिक्षेत्र के मोगर्दा सर्किल स्थित केकदाखेड़ा बीट के वनखंड क्रमांक 1164 में बाघ ने पहले बैल और बछड़े पर हमला कर उन्हें मार डाला. इसके बाद दोनों पशुओं को घसीटकर वनखंड क्रमांक 1158 तक ले गया और वहीं उन्हें अपना शिकार बनाया। वन विभाग की जांच में इसके स्पष्ट साक्ष्य मिले हैं.मृत पशु केकदाखेड़ा निवासी किसान दिलीप चव्हाण के थे. इस घटना से उन्हें भारी आर्थिक नुकसान हुआ है. सूचना मिलते ही धूलघाट रेलवे वनपरिक्षेत्र अधिकारी साहेबराव चक्रे अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और पंचनामा कर जांच शुरू कर दी.

पीड़ित किसान को तत्काल मुआवजा देने की मांग

घटना के बाद स्थानीय लोगों ने शासन से किसान दिलीप चव्हाण को तत्काल उचित मुआवजा देने की मांग की है. ग्रामीणों का कहना है कि वन्यजीवों के लगातार बढ़ते हमलों से किसानों और पशुपालकों की आजीविका प्रभावित हो रही है.

पांच वर्ष पहले किशोरी पर भी हुआ था हमला

ग्रामीणों के अनुसार, करीब पांच वर्ष पहले गांव में सो रही एक किशोरी पर भी बाघ ने हमला किया था. ताजा घटना के बाद ग्रामीणों में भय और बढ़ गया है. लोगों को आशंका है कि बाघ दोबारा गांव के आस-पास आ सकता है. इसी कारण ग्रामीण पूरी रात सतर्क रहकर भय के साये में समय बिताने को मजबूर हैं.

वन विभाग ने लोगों से जंगल के किनारे अकेले न जाने, रात के समय विशेष सावधानी बरतने तथा किसी भी वन्यजीव की गतिविधि दिखाई देने पर तत्काल विभाग को सूचना देने की अपील की है.

घर में घुसकर महिला से मारपीट

संवाददाता/प्रतिदिन अखबार

नांदगांव खंडेश्वर -तहसील के लोणी गांव निवासी शिकायतकर्ता मंगला संजय खोडके मंगलवार की सुबह वह अपने घर पर मौजूद थीं. इसी दौरान आरोपी शुभम सुभाष सगळे शराब के नशे में उनके घर में घुस आया और लात-घूंसों से मारपीट करने लगा.

कुछ ही देर बाद योगेश सुभाष सगळे और सविता सुभाष सगळे भी मौके पर पहुंचे. तीनों ने मिलकर महिला के साथ धक्का-मुक्की की, मारपीट की, गाली-गलौज की तथा जान से मारने की धमकी दी पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

सीपी ओला ने फ्रेजरपुरा पुलिस टीम को किया सम्मानित

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार

अमरावती. फ्रेजरपुरा पुलिस ने सेंधमारी और दोपहिया वाहन चोरी के मामलों में बड़ी सफलता हासिल करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है. आरोपियों से 24.22 लाख रुपए का चोरी का माल बरामद किया गया है. इस उल्लेखनीय कार्रवाई के लिए पुलिस आयुक्त राकेश ओला ने स्वयं फ्रेजरपुरा पुलिस थाने पहुंचकर जांच टीम का सम्मान किया और उनके कार्य की सराहना की.

जानकारी के अनुसार जांच के दौरान फ्रेजरपुरा पुलिस की डीबी टीम ने गोपनीय सूचना और तकनीकी जांच के आधार पर भारत दिलीप पवार (25, पुराना कॉटन मार्केट) तथा पवन सुभाष चक्रे (32, न्यू हनुमान नगर) को हिरासत में लेकर पूछताछ की. पूछताछ में दोनों आरोपियों ने सेंधमारी और वाहन चोरी की कई वारदातों में शामिल होने की बात स्वीकार की.

पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने पिछले लगभग डेढ़ वर्ष में गाडगेनगर, राजापेठ, बडनेरा और फ्रेजरपुरा थाना क्षेत्रों में कई चोरी और सेंधमारी की घटनाओं को अंजाम दिया था. जांच में कुल 9 अपराधों का खुलासा हुआ था आरोपियों के कब्जे से 134 ग्राम 970 मिलीग्राम सोने के आभूषण, नकद तथा चार

सेंधमारी और वाहन चोरी के 9 मामलों का किया था खुलासा

दोपहिया वाहन, जिनकी कीमत लगभग कुल 24.22 लाख रुपए बताया गया है.

यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक रविंद्र राजुलवार के नेतृत्व में डीबी प्रमुख पुलिस उपनिरीक्षक राहुल महाजन, सुभाष पाटिल, रज्जाक शेखुवाले, सचिन बोरकर, सूरज यादव, अखिल दडवी, जयेश परीवाले, रोशन वरहाडे, प्रशांत वानखेडे, सागर चव्हाण, जावेद पटेल, धर्मा शिंदे,अमोल राठोड तथा उमेश चुलपार सहित पूरी टीम ने संयुक्त रूप से अंजाम दी.इस शानदार सफलता की सराहना करते हुए पुलिस आयुक्त राकेश ओला स्वयं फ्रेजरपुरा पुलिस थाने पहुंचे और जांच दल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया. उन्होंने टीम की मेहनत और पेशेवर जांच की प्रशंसा करते हुए भविष्य में भी इसी समर्पण और दक्षता के साथ अपराधों का खुलासा करने के लिए प्रेरित किया. इस अवसर पर पुलिस आयुक्त ने अधिकारियों और कर्मचारियों से आत्मीय संवाद भी किया. उनके प्रोत्साहन और मार्गदर्शन से पुलिस बल में नया उत्साह देखने को मिला.

निलंबित अधीक्षक गोले ने दी आत्मदाह की चेतावनी

टिटंबा आश्रम स्कूल विषाक्तता मामले में नया मोड़

संवाददाता/प्रतिदिन अखबार

धारणी. टिटंबा शासकीय आदिवासी आश्रम स्कूल में 70 विद्यार्थियों के फूड पॉइजनिंग मामले के बाद निलंबित किए गए अधीक्षक संदीप गोळे ने अपने निलंबन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है. उन्होंने प्रशासन को दो दिन का अल्टीमेटम देते हुए कहा है कि यदि उनका निलंबन तत्काल रद्द कर मूल पद पर बहाल नहीं किया गया तो वह 29 जुलाई की शाम 6 बजे से अमरावती

पुलिस आयुक्त कार्यालय के सामने आमरण अनशन शुरू करेंगे. साथ ही मांग पूरी नहीं होने पर आत्मदाह करने की चेतावनी भी दी है.

संदीप गोळे ने प्रशासन को दिए गए अपने ज्ञापन में दावा किया है कि विद्यार्थियों के बीमार होने की घटना के एक दिन पहले से ही वह मुख्याध्यापक की विधिवत अनुमति लेकर अवकाश पर थे. उन्होंने बताया कि उन्हें एक मामले में अचलपुर सत्र न्यायालय में उपस्थित होना था. इसके अलावा सीने में दर्द की शिकायत के कारण वह चिकित्सकीय जांच के लिए भी अवकाश पर थे.

गोळे का कहना है कि घटना के समय वह स्कूल में मौजूद नहीं थे, इसके बावजूद पूरी घटना की जिम्मेदारी उन पर डालकर नियमों के विपरीत उनका निलंबन कर दिया गया. उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासन ने उनके साथ अन्याय किया है और निलंबन आदेश तुरंत वापस लेकर उन्हें उनके मूल पद पर कार्यभार सौंपा जाए.

मुंडे को जेड सुरक्षा देने की मांग, पोस्टकार्ड अभियान शुरू

अमोल ठाकरे और अखिल भारतीय मराठा महासंघ की पहल, विद्यार्थियों, युवाओं और नागरिकों से अभियान में शामिल होने की अपील

प्रतिनिधि/ प्रतिदिन अखबार

अमरावती. महाराष्ट्र में कथित मिलावटखोरी, नकली दवाओं और ड्रग्स के खिलाफ कार्रवाई को लेकर चर्चा में रहने वाले आयुक्त तुकाराम मुंडे को जेड सुरक्षा प्रदान करने की मांग को लेकर शहर में पोस्टकार्ड अभियान शुरू किया गया है.

पूर्व नगरसेवक अमोल ठाकरे और अखिल भारतीय मराठा महासंघ, की ओर से महाराष्ट्र के विद्यार्थियों, युवाओं, वरिष्ठ नागरिकों, गणेश उत्सव मंडलों, नवदुर्गा उत्सव मंडलों तथा विभिन्न सामाजिक संस्थाओं से इस अभियान में सहभागी होने का आह्वान किया है.अभियान के आयोजकों के अनुसार, महाराष्ट्र के प्रत्येक नागरिक की ओर से 50 पैसे का पोस्टकार्ड लिखकर मुख्यमंत्री, महाराष्ट्र राज्य, मंत्रालय, मुंबई-32 के पते पर तुकाराम मुंडे को जेड सुरक्षा देने की मांग वाला पत्र भेजा जाना चाहिए. आयोजकों का कहना है कि एक-एक नागरिक का छोटा सा प्रयास बड़े जनसमर्थन में बदल सकता है.

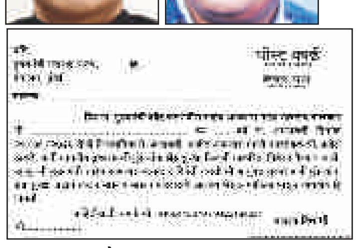

माफिया के खिलाफ कार्रवाई का हवाला

अमोल ठाकरे के अनुसार, तुकाराम मुंडे जिस तरह बेखौफ होकर काम कर रहे हैं, उससे दूध माफिया, औषधि माफिया और ड्रग्स कारोबारियों सहित मिलावटी खाद्य पदार्थों और नकली दवाओं के कारोबार पर कार्रवाई की जा रही है. उनका आरोप है कि मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, उत्तर प्रदेश, बिहार, ओडिशा, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों से भी मिलावटी पदार्थ,नकली दवाएं और ड्रग्स महाराष्ट्र में पहुंचते हैं.बच्चों को मिलावटी दूध पिलाने, स्त्री रोग संबंधी दवाओं की नकल तैयार कर बेचने और विद्यार्थियों को ड्रग्स की लत लगाने जैसे अपराध समाज के लिए बेहद गंभीर खतरा हैं. ऐसे मामलों में कार्रवाई वाले अधिकारियों की सुरक्षा को लेकर भी सरकार को गंभीरता से विचार करना चाहिए.

31 जुलाई को पोस्टकार्ड जमा करने की अपील

पोस्टकार्ड अभियान के तहत 31 जुलाई 2026 को सुबह 11 बजे नागरिकों से राजकमल चौक स्थित शिवशक्ति आइसक्रीम के पास पोस्टकार्ड लेकर पहुंचने की अपील की गई है.आयोजकों ने इसे जनभागीदारी का अभियान बताते हुए नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने का आह्वान किया है. अभियान का संदेश है—अभी नहीं तो कभी नहीं और जय जवान, जय किसान.

प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को भी दिया गया था निवेदन

आयोजकों ने बताया कि 29 जून 2026 को जिलाधिकारी के माध्यम से देश के प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को तुकाराम मुंडे को जेड सुरक्षा देने की मांग को लेकर निवेदन दिया गया था. इसी मांग को आगे बढ़ाते हुए अब पोस्टकार्ड अभियान चलाया जा रहा है.ठाकरे ने नागरिकों से अपील की है कि वे इस अभियान में शामिल होकर मुख्यमंत्री को पोस्टकार्ड भेजें. यदि ईमानदारी से काम करने वाले अधिकारियों के समर्थन में जनता आगे नहीं आएगी,तो भविष्य में कोई अधिकारी इसी तरह निर्भीक होकर कार्रवाई करने से हिचक सकता है.